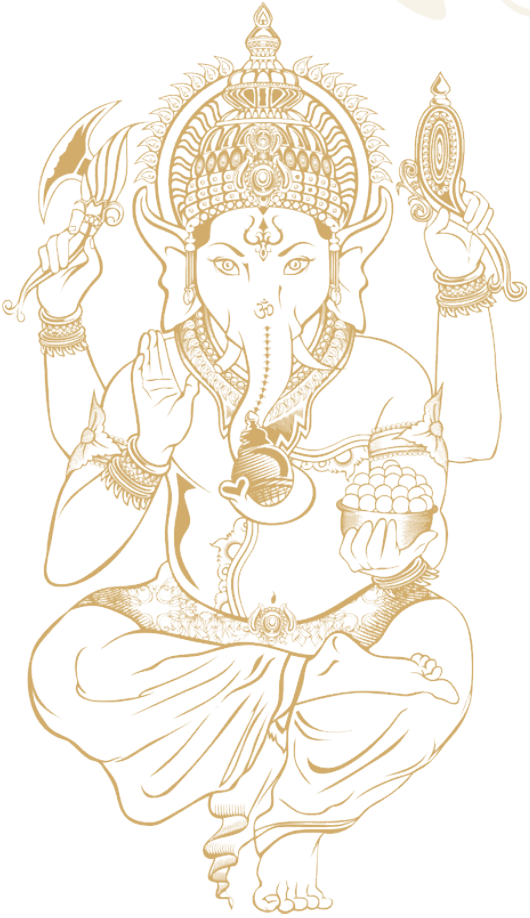

Reishab Sharma

15 Jun 1986

12:37 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121896301

तिथि 15/06/1986 **समय** 12:37:00 **वार** रविवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:39:56
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	05:48:58 घं
वेलान्तर	00:00:19 घं
सूर्योदय	05:22:58 घं
सूर्यास्त	19:20:06 घं
चैत्रादि संवत	2043
शक संवत	1908
मास	ज्येष्ठ
पक्ष	शुक्ल
तिथि	8
नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
योग	सिद्धि
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
होरा	सूर्य
चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी

सूर्य 5वर्ष 6मा 5दि

राहु

20/12/2008
20/12/2026

राहु	02/09/2011
गुरु	26/01/2014
शनि	02/12/2016
बुध	21/06/2019
केतु	08/07/2020
शुक्र	09/07/2023
सूर्य	02/06/2024
चन्द्र	02/12/2025
मंगल	20/12/2026

योगिनी

सिद्धा 6वर्ष 5मा 6दि

सिद्धा

21/11/2021
20/11/2028

सिद्धा	02/04/2023
संकटा	21/10/2024
मंगला	31/12/2024
पिंगला	22/05/2025
धान्या	21/12/2025
भ्रामरी	01/10/2026
भद्रिका	21/09/2027
उल्का	20/11/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:54:14	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि	---	0:00			
सूर्य			00:14:06	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	बुध	सम राशि	2.32	कलत्र	पितृ	विपत
चंद्र			27:44:36	सिंह	उ०फाल्गुनी	1	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि	0.88	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल	व		29:11:46	धनु	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	मंगल	मित्र राशि	1.08	आत्मा	भ्रातृ	जन्म
बुध			22:43:15	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	शनि	स्वराशि	1.06	मातृ	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			28:00:00	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	सम राशि	0.83	अमात्य	धन	प्रत्यारि
शुक्र			05:45:30	कर्क	पुष्य	1	शनि	बुध	शत्रु राशि	1.11	ज्ञाति	कलत्र	साधक
शनि	व		11:25:30	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	चंद्र	शत्रु राशि	1.24	पुत्र	आयु	साधक
राहु			04:37:11	मेष	अश्विनी	2	केतु	चंद्र	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु			04:37:11	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	सम राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

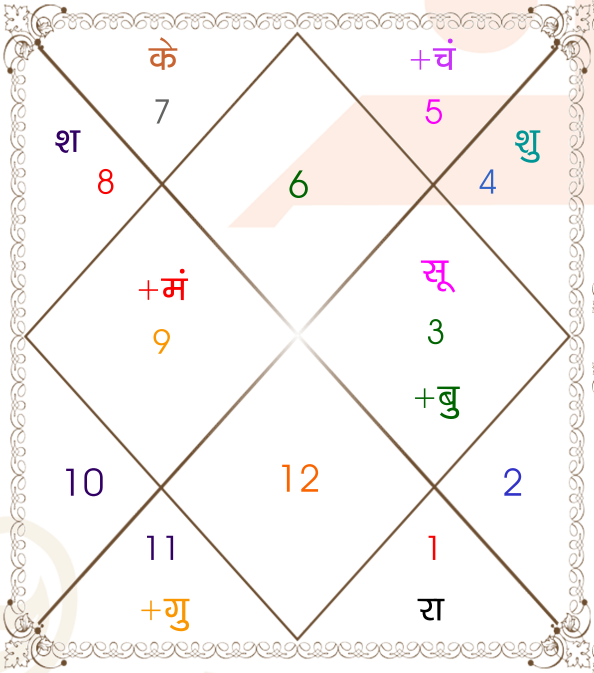

चन्द्र कुंडली

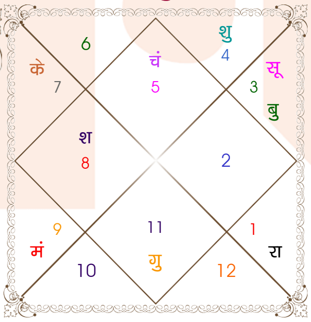

नवमांश कुंडली

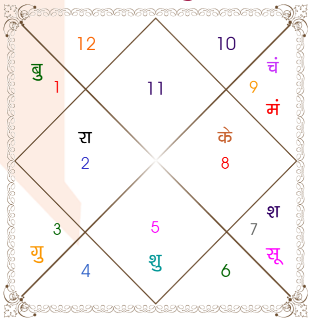

सर्वाष्टकवर्ग

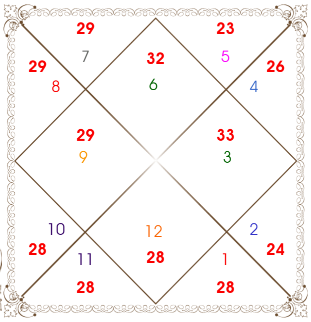

दशमांश कुंडली

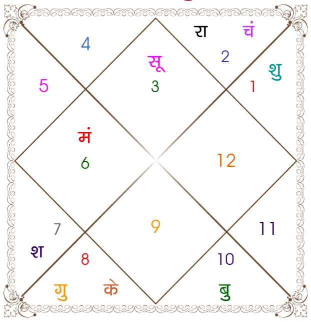

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्यान्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से आप परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति कर सकते है। साथ ही मानसिक स्थिति में यदा कदा अशान्ति तथा व्याकुलता रहेगी। शत्रु पक्ष इस समय आपके लिए समय समय पर समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे परन्तु आप दृढ़ता से उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें तनाव तथा कलह का भाव विद्यमान रहेगा । स्त्री से भी इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा अतः दामपत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति रहेगी। मित्र या संबंधियों से भी संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। साथ ही विगत रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प भी इस वर्ष अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे इसके अतिरिक्त आर्थिक स्थिति में भी विशेष सुदृढ़ता नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष शील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से ही आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ भी सामान्य ही रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी सामान्य ही रहेगा तथा सुखोभोग भी अल्प ही रहेगा। अतः विशेष शुभ फलों की प्राप्ति के लिए परिश्रमशील रहें आपको मध्यम फल ही प्राप्त होंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रुचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति तथा सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। संतति पक्ष से इस वर्ष में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनकी ओर से आप निश्चिन्त तथा प्रसन्न रहेंगे।साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करेंगे। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा आनन्दपूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही अन्य वांछित द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से सुख एवं विलास में भी आप लिप्त रहेंगे तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए यह वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके सम्बन्ध बनेंगे तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। फलतः नौकरी या राजनीति में पदोन्नति की संभावना रहेगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपका यथोचित सम्मान करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नवीन कार्य भी प्रारंभ होगा। इस वर्ष में धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करते रहेंगे। इसके साथ ही सांसारिक चिन्ताएं भी दूर होंगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। अतः समय का सदपुयोग करें ।

प्रथम मास

15/06/2026 18:46:46 से 17/07/2026 05:33:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:43:42
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	00:14:06
चन्द्र		मिथुन	मृगशिरा	06:26:16
मंगल		मेष	भरणी	26:13:11
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	24:43:42
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	02:41:58
शुक्र		कर्क	पुष्य	08:13:12
शनि		मीन	रेवती	19:06:50
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:59:02
केतु	व	सिंह	मघा	07:59:02
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:54:14

मासाधिपति

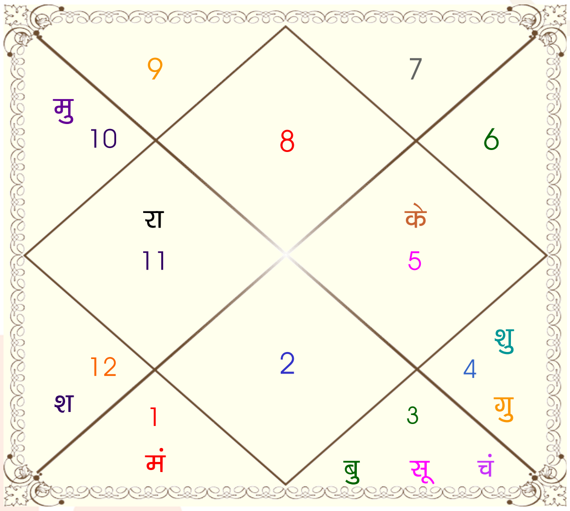

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

17/07/2026 05:33:35 से 17/08/2026 13:50:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	29:13:45
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	00:14:06
चन्द्र		सिंह	मघा	05:44:16
मंगल		वृष	रोहिणी	18:34:16
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:06:21
गुरु		कर्क	पुष्य	09:24:52
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:48:35
शनि		मीन	रेवती	20:26:15
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:58:21
केतु	व	सिंह	मघा	05:58:21
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:24:14

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

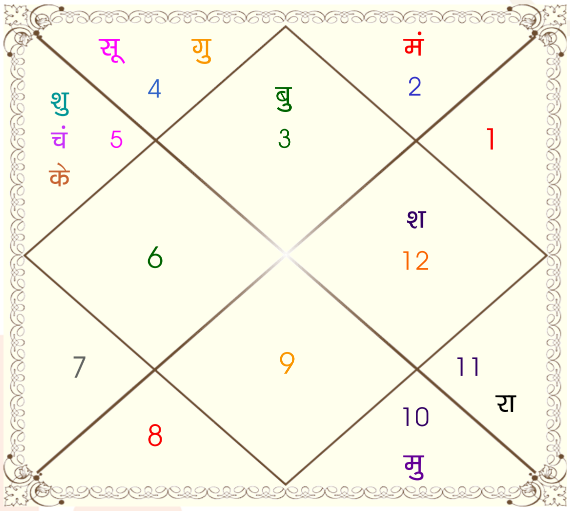

समान्य रूप से इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार से चोरी आदि की घटना भी घटित हो सकती है।साथ ही आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी का अनुभव करेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में अल्पता आएगी तथा स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। इससे शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। साथ ही आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं। सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे एवं मुकद्दमे आदि के कार्य में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी पूर्वक ऐसे समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे।अतः स्त्री तथा पुत्र संतति से सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्रों या द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी एवं अन्य प्रकार से भी शान्ति की अनुभूति करेंगे।

तृतीय मास

17/08/2026 13:50:18 से 17/09/2026 13:39:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	13:08:40
सूर्य		सिंह	मघा	00:14:06
चन्द्र		कन्या	चित्रा	28:40:50
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	09:43:01
बुध		कर्क	आश्लेषा	19:32:12
गुरु		कर्क	पुष्य	16:19:41
शुक्र		कन्या	हस्त	16:05:21
शनि	व	मीन	रेवती	20:07:42
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:30
केतु		सिंह	मघा	05:35:30
मुंथा		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:54:14

मासाधिपति

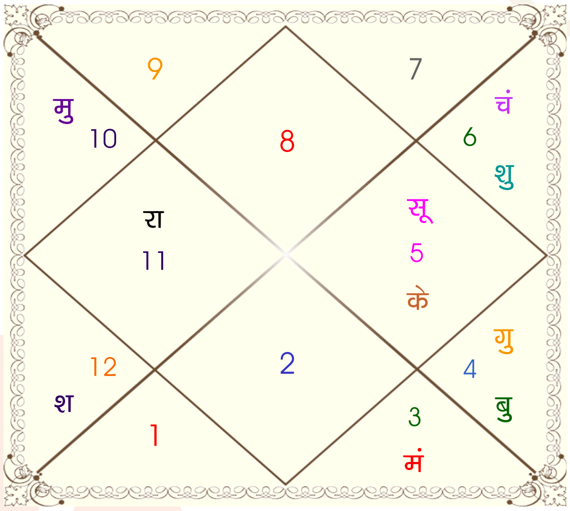

मासाधिपति : सूर्य

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास

17/09/2026 13:39:30 से 18/10/2026 01:32:21 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	07:46:08
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:14:06
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	13:33:01
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	29:19:08
बुध		कन्या	हस्त	16:37:27
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:47:35
शुक्र		तुला	स्वाति	09:52:18
शनि	व	मीन	रेवती	18:23:03
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:17:42
केतु	व	सिंह	मघा	05:17:42
मुंथा		मकर	श्रवण	11:24:14

मासाधिपति

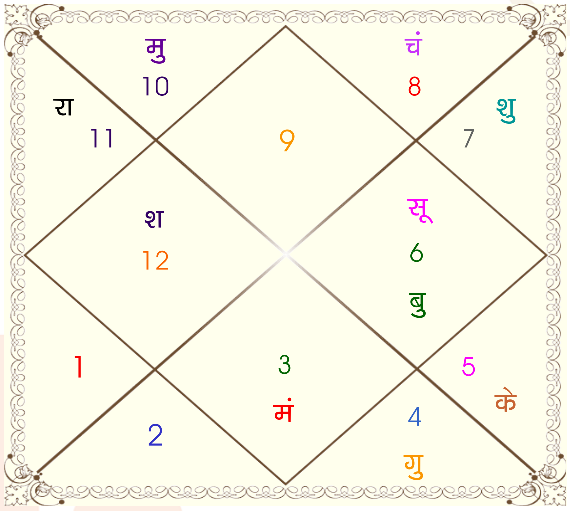

मासाधिपति : बुध

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्ठान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

पंचम् मास
18/10/2026 01:32:21 से 17/11/2026 01:18:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	25:48:06
सूर्य		तुला	चित्रा	00:14:06
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:06:01
मंगल		कर्क	आश्लेषा	16:57:24
बुध		तुला	विशाखा	24:23:57
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:09:02
शुक्र	व	तुला	स्वाति	10:11:58
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:02:15
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:48:24
केतु	व	सिंह	मघा	03:48:24
मुंथा		मकर	श्रवण	13:54:14

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

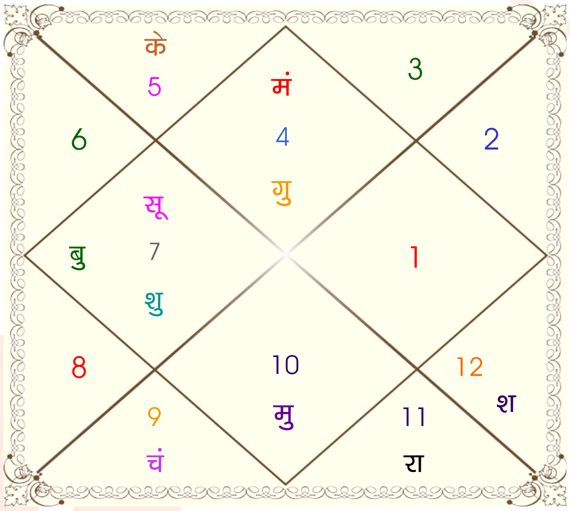

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

17/11/2026 01:18:39 से 16/12/2026 15:57:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:25:39
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	00:14:06
चन्द्र		मकर	श्रवण	22:50:49
मंगल		सिंह	मघा	01:54:10
बुध		तुला	स्वाति	11:40:11
गुरु		सिंह	मघा	01:42:00
शुक्र		कन्या	चित्रा	28:47:06
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:12:50
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:54:32
केतु	व	सिंह	मघा	00:54:32
मुंथा		मकर	श्रवण	16:24:14

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

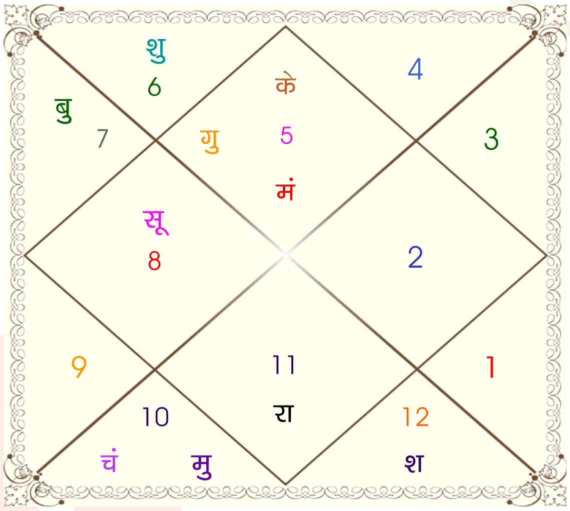

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास

16/12/2026 15:57:17 से 15/01/2027 02:42:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	08:53:24
सूर्य		धनु	मूल	00:14:06
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:59:18
मंगल		सिंह	मघा	12:38:17
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:12:42
गुरु	व	सिंह	मघा	02:46:10
शुक्र		तुला	स्वाति	14:48:14
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:43:19
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:59:48
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:59:48
मुंथा		मकर	श्रवण	18:54:14

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

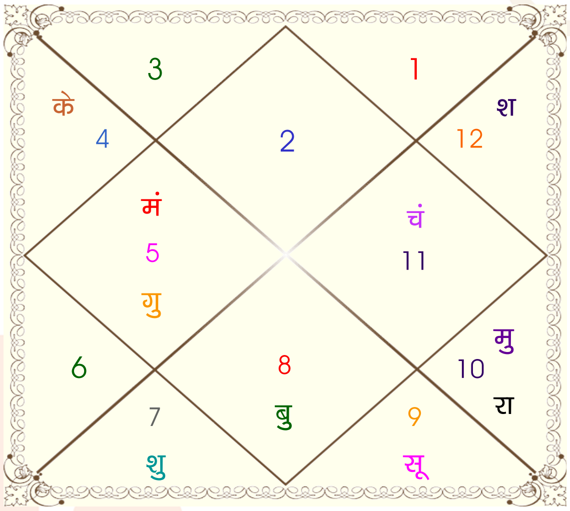

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
15/01/2027 02:42:14 से 13/02/2027 15:43:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	27:15:41
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:14:06
चन्द्र		मीन	रेवती	18:29:12
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:04:11
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:29:57
गुरु	व	सिंह	मघा	01:05:12
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	13:44:28
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:46:52
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:32:25
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:32:25
मुंथा		मकर	श्रवण	21:24:14

मासाधिपति

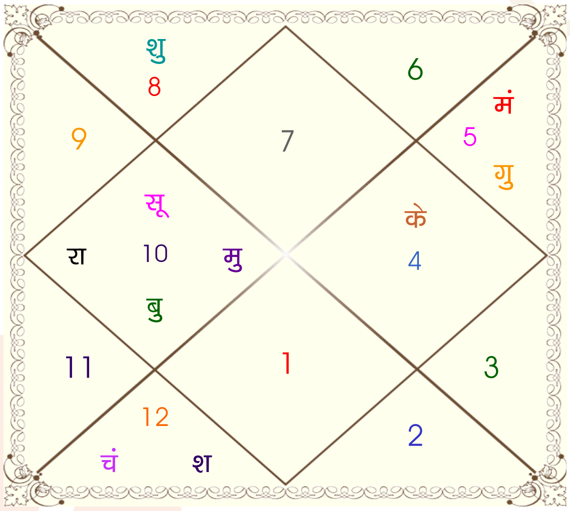

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
13/02/2027 15:43:22 से 15/03/2027 12:39:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	29:56:07
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	00:14:06
चन्द्र		मेष	भरणी	18:48:20
मंगल	व	सिंह	मघा	08:58:50
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	10:31:56
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:28:54
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:06:57
शनि		मीन	रेवती	17:10:47
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:16:35
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:16:35
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	23:54:14

मासाधिपति

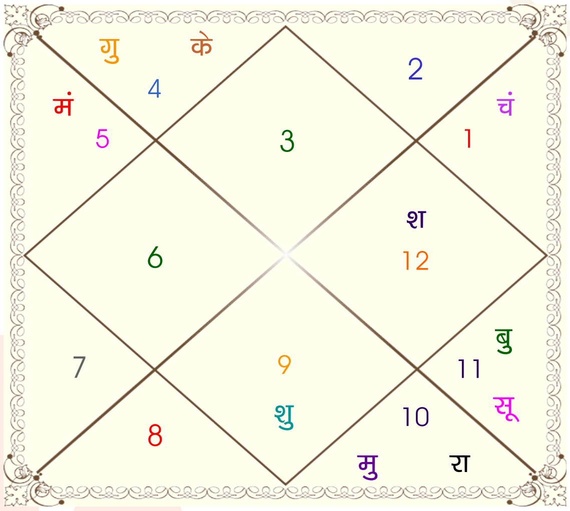

मासाधिपति : बुध

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास

15/03/2027 12:39:12 से 14/04/2027 21:13:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	15:32:50
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	00:14:06
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	25:12:27
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	28:35:23
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	02:42:11
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	24:02:14
शुक्र		मकर	श्रवण	22:29:29
शनि		मीन	रेवती	20:30:41
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:46:01
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:46:01
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	26:24:14

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

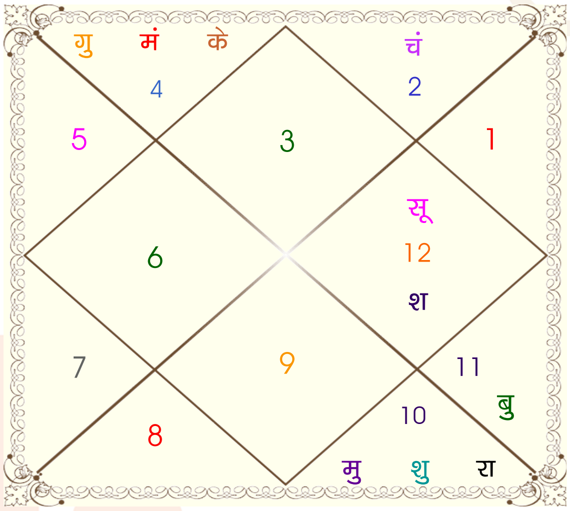

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतःआप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

एकादश मास

14/04/2027 21:13:25 से 15/05/2027 18:10:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	02:35:42
सूर्य		मेष	अश्विनी	00:14:06
चन्द्र		कर्क	पुष्य	09:25:17
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:40:35
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	15:42:04
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:45:29
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:05:11
शनि		मीन	रेवती	24:18:03
राहु		मकर	धनिष्ठा	23:58:03
केतु		कर्क	आश्लेषा	23:58:03
मुंथा		मकर	धनिष्ठा	28:54:14

मासाधिपति

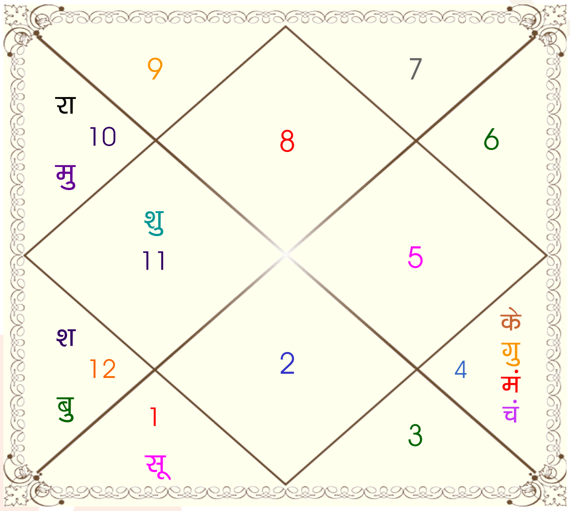

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग भी करेंगे। समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। साथ ही समाज में आप लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा तथा अन्य लोग भी आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अलावा इस समय आपकी चिर प्रतीक्षित मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी जिससे मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है। साथ ही रुधिर विकार का भी भय रहेगा। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को संपन्न करें।

द्वादश मास
15/05/2027 18:10:15 से 16/06/2027 00:49:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	19:31:16
सूर्य		वृष	कृतिका	00:14:06
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:10:11
मंगल		सिंह	मघा	06:05:51
बुध		वृष	रोहिणी	17:55:11
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:19:13
शुक्र		मेष	अश्विनी	06:33:01
शनि		मीन	रेवती	28:02:11
राहु	व	मकर	श्रवण	21:05:34
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	21:05:34
मुंथा		कुम्भ	धनिष्ठा	01:24:14

मासाधिपति

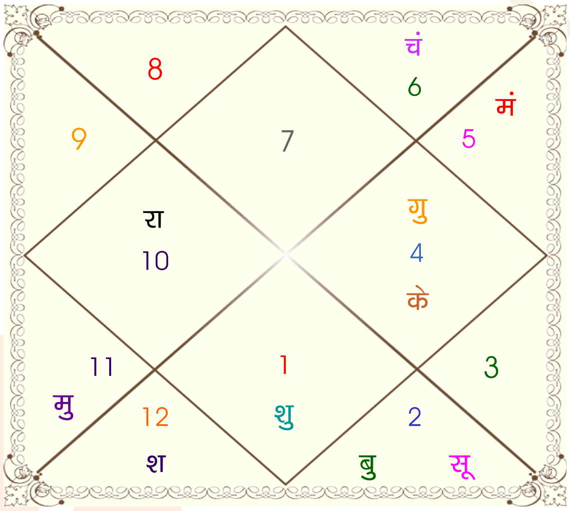

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।